१० त्रनुवाके महिमाख्ययहाकिः।

| | | विषयः। | रहे। |
|---|---------|--|-------------|
| 2 | मन्त्रे | महिमाख्यग्रहदयकथनं | ६६ ॰ |
| 2 | 99 | उत्तग्रहेग यागविधानं | ६६१ |
| ₹ | ,, | महिमयागस्य पुनः प्रशंसा | \$33 |
| - | | | |
| | | | |
| ११ त्रनुवाके शरीर हो मस्विष्टकदा जितकथनं। | | | |
| 2 | " | स्तेगान्दं याभामित्यादिचतुरन्वाकैः प्ररोरहोमः | ६१२ |
| 2 | ,, | उत्तानुवानसङ्घाविधानं | \$33 |
| ₹ | ,, | च्यारण्यकाग्छे। तानुवाकान्तरकथनं | \$3 |
| 8 | ,, | खिए छदा जितिवधानं | ६८३ |
| 4 | ,, | जुद्धबाधनार्थं साधनान्तरस्य विधानं | ६८८ |
| É | " | दितीयाज्ञितसाधनान्तरिवधानं | 833 |
| 0 | ,, | विवाद्धितसाधनान्तरविधानं | हरप्र |
| | | | |
| | | १२ त्रन्वाके त्रश्वसोमीयहोमाकिः। | |
| • | | च्यश्वत्तामीयच्चामविधानं | 200 |
| | | उत्तहोमीयद्रविधानं | |
| | | उत्ताहामायमयापवाम उत्ताहामायमयापवाम | |
| | | उताङानायमान्यस्थापयाम उताङिताच्यानियास्य पूर्वनपूर्वाता- | |
| | " | सङ्घाप्रशंसा | |
| · u | | दिषदाभिऋंग्भिद्दीमविधानं | |
| | | दिपदाश्वक्तामीयद्दामयाः पार्वापर्यविचारः | |
| | | दिपदाचोमाननारिमतरचोमिनिषेधः | |
| | " | | des |